महर्षिपाणिनिसंस्कृतएवंवैदिकविश्वविद्यालयः

देवासमार्गः, उज्जैनम् (म.प्र.) 456010

दर्शन-सङ्काय
दर्शन-विभाग

आचार्य (न्यायदर्शन)

Programme Code – AC – NYD

द्विवार्षिकस्नातकोत्तरपरीक्षापाठ्यक्रम
1-Year Post Graduate Examination Syllabus

अधिगमपरिणामआधारितपाठ्यचर्चा रूपरेखा
(L.O.C.F)

2025-2026

अणुसङ्केतः–regpsvvmp@rediffmail.com//अन्तर्जालपूटम्-www.mpsvv.ac.in

परीक्षा पाठ्यक्रम नियमावली

1. पाठ्यक्रम का स्वरूप -

अधिगमपरिणाम-आधारितपाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित एकवार्षिक आचार्य (न्यायदर्शन) परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम दो सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट् के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूलविषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट् के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्न पत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. प्रवेशनियम

एकवार्षिक आचार्य (न्यायदर्शन) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्याय विषय में चतुर्वार्षिक स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. परीक्षायोजना–

- एकवार्षिक आचार्य (न्यायदर्शन) परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। परियोजना/प्रतिवेदन/लघुशोध प्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।

4. **प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना–**

मुख्यपाठ्यक्रमोंहेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसंख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पीयाः	5	1	5
2	लघूत्तरीयाः/टिप्पण्यात्मकाः	5	3	15
3	निबन्धात्मकाः/व्याख्यात्मकाः	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्			40
योगः				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसंख्या	अङ्क	योग

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

1.	बहुविकल्पयीय	5	2	10
2.	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3.	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंगपद्धति -

द्विवार्षिक आचार्य (अद्वैत वेदान्त) परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
Latter Grade	GRADE	GRADE POINT	DESCRIPTION
> 90%	O	O	Outstanding
>80%	A+	A+	Excellent
>70%	A	A	Very Good
>60%	B+	B+	Good
>50%	B	B	Above Average
>40%	C	C	Average
40%	P	P	Pass
<40%	F	F	Fail
Ab	Ab	Ab	Absent

Equivalent Percentage- CGPAX10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA)and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/CGPA} = \frac{\Sigma \text{ (No. of credits * Grade Point)}}{\Sigma \text{ No. of Credits}}$$

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के ल क्रेडिट् (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट्) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें एटीकेटी प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. **उपलब्ध स्थान** – उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा।अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रतयेक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
7. **शुल्क** – छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।
8. **परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता** – प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर एकवार्षिक आचार्य न्यायदर्शन की उपाधि प्रदान की जाएगी।
9. **अवधि** – अध्यादेश 14 (2) के अनुसार एकवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम को अधिकतम दो वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।
10. **सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन** - छात्रों द्वारा प्रथम सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

11. कार्यक्रम योजना

वर्ष/ सत्रार्द्ध		पाठ्यक्रमप्रकार				कुल क्रेडिट
		मुख्यपाठ्यक्रमएवंक्रेडिट			इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी अथवा VAC (CHM/ EEMC)	
		पाठ्यक्रम स्तर	मुख्यपाठ्यक्रम	क्रेडिट		
विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-31 वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (तृतीयाध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्)	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 पक्षता (सिषाधयिषापक्षतापर्यन्ता)	5		
		500	CC-33 व्युत्पत्तिवाद: (प्रथमाकारकम्)	5		
		500	CC-34 सामान्यनिरुक्तिः (प्रथमलक्षणम्)	5		
	द्वितीय सत्रार्द्ध	500	CC-41 सामान्यनिरुक्ति: (द्वितीयलक्षणम्)	5	VAC (CHM/ EEMC) (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-42 पक्षता (सिद्धान्तलक्षणम्)	5		
		500	CC-43 अवयवप्रकरणम् (प्रतिज्ञालक्षणान्तम्)	5		
		500	CC-44 प्रशस्तपादभाष्यम् (सम्पूर्णम्)	5		
विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोधकार्य)						
प्रथम	प्रथम	500	CC-31 वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (तृतीयाध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्)	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 पक्षता (सिषाधयिषापक्षतापर्यन्ता)	5		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

य व र्ष	स त्रा र्द्ध	500	CC-33 व्युत्पत्तिवाद: (प्रथमाकारकम्)	5		
		500	CC-34 सामान्यनिरुक्तिः (प्रथमलक्षणम्)	5		
	द्वि ती य स त्रा र्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तःअथवाबाह्य)				22
द्वितीयवर्षविकल्प- 3 (केवलशोधकार्य)						
प्र थ म व र्ष	प्र थ म स त्रा र्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तःअथवाबाह्य)				**22**
	द्वि ती य स त्रा र्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तःअथवाबाह्य)				**22**

12. पाठ्यक्रम प्रकार

- मुख्य पाठ्यक्रम **(Core Course) CC –** किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।
- **मूल्य-संवर्धितपाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC** – मूल्यवर्धितपाठ्यक्रम विशिष्ट

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

- **संवैधानिक, मानवीयऔरनैतिकमूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM-** ये 'मूल्यवर्धितपाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिकसंपदा अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।
- **रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC-** रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।
- **प्रशिक्षुता (Internship)** – इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।
- कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रतिरुचि/ जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-
  i. रोजगारक्षमताबढ़ानेकेलिएइंटर्नशिप
  ii. ii. शोधयोग्यताविकसितकरनेकेलिएइंटर्नशिप
- **शिक्षुता (Apprenticeship)** – शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।
- **सङ्गोष्ठी(Seminar)** – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics)करते हैं।

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक आचार्य.न्यायदर्शन

सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

Acharya Nyaya Darshan Syllabus

(Programme Code – AC-NYD)

प्रथम सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षिपाणिनिसंस्कृतएवंवैदिकविश्वविद्यालय,देवासमार्ग,उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम Semester : I**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGO-NYD 31		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 31) वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (तृतीयाध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य न्याये चतुःवर्षीयशास्त्रि-परीक्षायाम् उत्तीर्णः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तस्य ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः हेत्वाभासस्यलक्षणस्य सम्यक् परिष्काराः अपि च शास्त्रार्थपद्धतेः ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। ● छात्राः तार्किकाः, शास्त्रार्थिनः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई	शीर्षक (Topics)			अङ्काः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Unit)		क्रेडिट्-मानम्
01	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (तृतीयाध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्)** - तृतीयाध्यायस्य प्रथमाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (तृतीयाध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्)** - तृतीयाध्यायस्य द्वितीयाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (तृतीयाध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्)** - चतुर्थाध्यायस्य प्रथमाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (तृतीयाध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्)** - चतुर्थाध्यायस्य द्वितीयाह्निकम् **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**वात्सायनभाष्यसहितं न्यायसूत्रम् (तृतीयाध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्)** - पञ्चमोध्यायः सम्पूर्णः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

न्यायदर्शनम्	-	वात्स्यायनः (भाष्यसहितम्)
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः (Part D – Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क - 60
	सम्पूर्णाङ्काः	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम Semester : I**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGO-NYD 32		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 32) पक्षता (सिषाधयिषापक्षतापर्यन्ता)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य न्याये चतुःवर्षीयशास्त्रि-परीक्षायाम् उत्तीर्णः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तं ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः पक्षतालक्षणस्य सम्यक् परिष्काराः अपि च शास्त्रार्थपद्धतेः ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। छात्राः तार्किकाः, शास्त्रार्थिनः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई	शीर्षक (Topics)			अङ्काः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Unit)		क्रेडिट्-मानम्
01	**पक्षता (सिषाधयिषापक्षतापर्यन्ता)** - आदितः वस्तुतस्तु-ग्रन्थान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**पक्षता (सिषाधयिषापक्षतापर्यन्ता)** - अथेति ग्रन्थतः अत्रोच्यते ग्रन्थान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**पक्षता (सिषाधयिषापक्षतापर्यन्ता)** - ततः मणिग्रन्थविवरणान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**पक्षता (सिषाधयिषापक्षतापर्यन्ता)** - अथेति ग्रन्थप्रभृति संशयपक्षतादूषणान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**पक्षता (सिषाधयिषापक्षतापर्यन्ता)** - सिषाधयिषापक्षतादूषणान्तो ग्रन्थः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

पक्षता	-	दीधिति-जागदीशी-सहिता
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा,

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क - 60
	सम्पूर्णाङ्काः	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम Semester : I**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGO-NYD 33		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 33) व्युत्पत्तिवाद: प्रथमाकारकम् (अभेदान्वयबोधपर्यन्तम्)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य न्याये चतुःवर्षीयशास्त्रि-परीक्षायाम् उत्तीर्णः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तं ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः शाब्दबोधस्य सम्यक् परिष्काराः अपि च शास्त्रार्थपद्धतेः ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। छात्राः तार्किकाः, शास्त्रार्थिनः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई	शीर्षक (Topics)			अङ्काः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Unit)		क्रेडिट्-मानम्
01	**व्युत्पत्तिवादः प्रथमाकारकम् (अभेदान्वयबोधपर्यन्तम्)** - आदितः मैवम्-भेदोभावश्च विशेषणविभक्तेरर्थः इत्यादि ग्रन्थान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**व्युत्पत्तिवादः प्रथमाकारकम् (अभेदान्वयबोधपर्यन्तम्)** - अथेति ग्रन्थप्रभृति धातोरिव घयन्तस्यापीति केचित्तुमतनिरुपणान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**व्युत्पत्तिवादः प्रथमाकारकम् (अभेदान्वयबोधपर्यन्तम्)** - ततः अभेदान्वयबोधनिरुपणान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**व्युत्पत्तिवादः प्रथमाकारकम् (अभेदान्वयबोधपर्यन्तम्)** - भेदान्वयबोधश्चेति ग्रन्थतः तदसत् इति ग्रन्थान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**व्युत्पत्तिवादः प्रथमाकारकम् (अभेदान्वयबोधपर्यन्तम्)** - प्रत्ययाश्चेति ग्रन्थतः मैवम् इति ग्रन्थान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15
कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :		

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

व्युत्पत्तिवादः	-	आदर्श व्याख्या-सहिता
प्राप्तिस्थानम्	-	वाणीविलासप्रकाशन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः (Part D – Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क - 60
	सम्पूर्णाङ्काः	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम Semester : I**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGO-NYD 34		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 34) सामान्यनिरुक्तिः (प्रथमलक्षणम्)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य न्याये चतुःवर्षीयशास्त्रि-परीक्षायाम् उत्तीर्णः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तस्य ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः शब्दशक्तेः सम्यक् ज्ञानं परिष्कारं अपि च शास्त्रार्थपद्धतेः ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। ● छात्राः तार्किकाः, शास्त्रार्थिनः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई	शीर्षक (Topics)			अङ्काः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Unit)		क्रेडिट्-मानम्
01	**सामान्यनिरुक्तिः (प्रथमलक्षणम्)** - आरम्भात् साक्षात्कारघटितकल्पान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**सामान्यनिरुक्तिः (प्रथमलक्षणम्)** - ततः समूहालम्बनानुमितिनिरुपणान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**सामान्यनिरुक्तिः (प्रथमलक्षणम्)** - लिंगोपधानमतप्रभृति यथार्थपदसार्थक्यान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**सामान्यनिरुक्तिः (प्रथमलक्षणम्)** - इदन्तु अवधेयमित्यादिः यथार्थपदवैयर्थ्यनिरूपणान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**सामान्यनिरुक्तिः (प्रथमलक्षणम्)** - केचित्तु-मतनिरूपणादिग्रन्थान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

सामान्यनिरुक्तिः	-	दीधिति-जगदीशी-सहिता
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बा विद्याभवन्, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क - 60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक आचार्य.न्यायदर्शन

सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

Acharya Nyaya Darshan Syllabus

(Programme Code – AC-NYD)

द्वितीय सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षिपाणिनिसंस्कृतएवंवैदिकविश्वविद्यालय,देवासमार्ग,उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester :II**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGO-NYD 41		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-41) सामान्यनिरुक्तिः (द्वितीयलक्षणम्)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य न्याये चतुःवर्षीयशास्त्रि-परीक्षायाम् उत्तीर्णः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तस्य ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः हेत्वाभासलक्षणस्य सम्यक् ज्ञानं परिष्कारं अपि च शास्त्रार्थपद्धतेः ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। ● छात्राः तार्किकाः, शास्त्रार्थिनः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई	शीर्षक (Topics)			अङ्काः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Unit)		क्रेडिट्-मानम्
01	**सामान्यनिरुक्तिः (द्वितीयलक्षणम्)** - आदितः अव्यापकविषयताशून्यत्वकल्पांतः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**सामान्यनिरुक्तिः (द्वितीयलक्षणम्) -** ततः विशिष्टद्वयाघटित्वकल्पांतः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**सामान्यनिरुक्तिः (द्वितीयलक्षणम्) -** ततः नच चतुष्टयकल्पांतः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**सामान्यनिरुक्तिः (द्वितीयलक्षणम्)** - ततः येन केनापि सम्बंधेन इत्यादिदीधितिव्याख्यापर्यंतः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**सामान्यनिरुक्तिः (द्वितीयलक्षणम्) -** ततः अत्र वदंतिकल्पः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

सामान्यनिरुक्तिः	-	दीधिति-जगदीशी-सहिता
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बा विद्याभवन्, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा,

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क - 60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester :II**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGO-NYD 42		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 42) पक्षता (सिद्धान्तलक्षणम्)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य न्याये चतुःवर्षीयशास्त्रि-परीक्षायाम् उत्तीर्णः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ (**Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तस्य ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः हेत्वाभासलक्षणस्य सम्यक् ज्ञानं परिष्कारं अपि च शास्त्रार्थपद्धतेः ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। ● छात्राः तार्किकाः, शास्त्रार्थिनः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादिनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई	शीर्षक (Topics)			अङ्काः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Unit)		क्रेडिट्-मानम्
01	**पक्षता (सिद्धान्तलक्षणम्)** - सिद्धान्तलक्षणे इत्यादितःसिषाधयिषा चेति ग्रन्थव्याख्यान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**पक्षता (सिद्धान्तलक्षणम्) -** ततः इच्छायाः अननुगमेपि न क्षतिः इति ग्रन्थव्याख्यान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**पक्षता (सिद्धान्तलक्षणम्) -** ततः वस्तुतस्तु इति ग्रन्थान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**पक्षता (सिद्धान्तलक्षणम्) -** ततः कामिनीजिज्ञासेति ग्रन्थव्याख्यान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**पक्षता (सिद्धान्तलक्षणम्) -** लिंगविशेषेणापि नियन्त्रितं पक्षत्वम् इति ग्रन्थव्याख्यान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

पक्षता	- दीधिति-जागदीशी-सहिता
प्राप्तिस्थानम्	चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र नम्

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क - 60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester :II**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGO-NYD 43		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 43) अवयवप्रकरणम् (प्रतिज्ञालक्षणान्तम्)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य न्याये चतुःवर्षीयशास्त्रि-परीक्षायाम् उत्तीर्णः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तस्य ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः न्यायलक्षणस्य पञ्चावयवस्य च सम्यक् ज्ञानं परिष्कारं अपि च शास्त्रार्थपद्धतेः ज्ञातुमर्हन्ति। ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। छात्राः तार्किकाः, शास्त्रार्थिनः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई	शीर्षक (Topics)			अङ्काः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Unit)		क्रेडिट्-मानम्
01	**अवयवप्रकरणम् (प्रतिज्ञालक्षणान्तम्)** - आदितः न्यायलक्षणनिरूपणान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**अवयवप्रकरणम् (प्रतिज्ञालक्षणान्तम्) -** उचितानुपूर्वीकेति लक्षणविचारो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**अवयवप्रकरणम् (प्रतिज्ञालक्षणान्तम्) -** व्याप्त्यादेरिवेत्यादिः द्रागेवेति ग्रन्थान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**अवयवप्रकरणम् (प्रतिज्ञालक्षणान्तम्) -** ततः न्यायलक्षणग्रन्थान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**अवयवप्रकरणम् (प्रतिज्ञालक्षणान्तम्)** – सूत्रकारोक्तप्रतिज्ञालक्षणविचारः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

अवयवप्रकरणम्	-	दीधिति-जगदीशी-सहिता
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा,

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क - 60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course		**कक्षा (Class): आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester :II**	**सत्र (Session): 2025-26**
विषय (Subject) : न्याय दर्शन				
1	पाठ्यक्रम काकूट (Course Code)	PGO-NYD 44		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 44) प्रशस्तपादभाष्यम् (सम्पूर्णम्)		
3	पाठ्यक्रमका प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा(**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य न्याये चतुःवर्षीयशास्त्रि-परीक्षायाम् उत्तीर्णः।		
5	पाठ्यक्रमअध्ययनकी उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● न्यायसिद्धान्तं ज्ञातुं समर्थाः प्रभवन्ति। ● छात्राः सत्प्रतिपक्षलक्षणस्य सम्यक् ज्ञानं परिष्कारं अपि च शास्त्रार्थपद्धतेः ज्ञातुमर्हन्ति| ● छात्राणां न्यायशास्त्रस्य गूढज्ञानार्जने किञ्च तात्विकदृष्ट्या सिद्धान्तस्य परिष्कारः भविष्यति। ● आजीविकार्थं छात्राणां बुद्धेः विकासः भविष्यति। ● छात्राः तार्किकाः, शास्त्रार्थिनः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः आस्तिकाः ईश्वरवादीनः वा भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 +60	Min. Passing Marks :35	
भागः-ब्, पाठ्यक्रमकी विषय वस्तु Part B – Content of the Course				
व्याख्यानकी सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5 सम्पूर्णव्याख्यानकालः पचहत्तर घण्टे (75 hours) **L-T-P: 5-0-0**				
इकाई	शीर्षक (Topics)			अङ्काः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Unit)		क्रेडिट्-मानम्
01	**प्रशस्तपादभाष्यम् (सम्पूर्णम्)** - प्रारम्भतः द्रव्यनिरूपणान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**प्रशस्तपादभाष्यम् (सम्पूर्णम्)** – गुणप्रकरणप्रारम्भात्परत्वापरत्वनिरूपणभागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**प्रशस्तपादभाष्यम् (सम्पूर्णम्)** – बुद्धिस्वरूपनिरूपणान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**प्रशस्तपादभाष्यम् (सम्पूर्णम्)** – सुखादिगुणप्रकरणान्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**प्रशस्तपादभाष्यम् (सम्पूर्णम्)** – कर्मनिरूपणात्समाप्तिपर्यन्तो भागः **गतिविधयः** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसितअध्ययनसंसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्यसंसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसितसहायकपुस्तकें/ग्रन्थ/अन्यपाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

प्रशस्तपादभाष्यम्	-	प्रशस्पादाचार्यप्रणातं
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भागः- द, अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क - 60
	सम्पूर्णाङ्कः	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)